www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 305 || लखनऊ
रविवार
08 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:48
सूर्यास्तः 05:53
अधिकतमः 24°00
न्यूनतमः 11°00

» पेज 03

विशेष समाचार नवांकुर पीढ़ी को गेमिंग की लत से ... » पेज 02 | एलपीएल ऑक्शन के खिलाफ ... »पेज 04 | फिल्म पेड्डी के गाने 'चिकिरी चिकिरी' ...

मलेशिया पहुंचे मोदी को रिसीव करने पहुंचे पीएम इब्राहिम

हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं : मोदी

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 8 साल बाद दो दिन के मलेशिया दौरे पर पहुंचे। उन्हें मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पर अपनी कार से रिसीव किया। इसके बाद पीएम मोदी कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम खुद एयरपोर्ट पर मेरा स्वागत करने आए। वे मुझे अपनी कार से यहां लाए। इतना ही नहीं, उन्होंने मुझे अपनी सीट पर भी बैठाया। उन्होंने कहा, यह खास सम्मान भारत और भारतीय समुदाय के प्रति उनके प्यार और सम्मान को दिखाता है। भारत जल्द यहां अपना पमेंट सिस्टम UPI लॉन्च करेगा। भारत को आजाद कराने के लिए आपके पूर्वजों ने बड़े बलिदान दिए थे। उनमें से कई के भारत में रिश्तेदार और पड़ोसी थे, फिर भी वे सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में शामिल होने वालों में थे। भारत हमेशा आप सभी को खुले दिल से अपनाएगा। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया, जिसके तहत मलेशिया में भारतीय मूल के लोगों को छठी पीढ़ी तक OIC कार्ड की सुविधा दी गई है। पी. कुमरन ने बताया कि दोनों देश रेलवे जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, नवीकरणीय ऊर्जा और दूसरे सहयोग के क्षेत्रों पर भी काम करने की सोच रहे हैं। इसके साथ ही छात्रों के लिए स्कॉलरशिप की संख्या बढ़ाने और मलेशिया में थिरुव-ल्लुवर सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज खोलने पर विचार हो रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

पीएम मोदी और मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम एक ही कार से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे

पीएम मोदी बोले- भारतीयों ने रोटी चनाई को मलाबार परोट्टा से जोड़ा

पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से कहा कि आपने रोटी चनाई को मलाबार परोट्टा से जोड़ा है। नारियल, मसाले और चाय भी हमारे रिश्ते को जोड़ते हैं। चाहे कुआलालंपुर हो या कोच्चि, स्वाद एक जैसे लगते हैं। शायद इसलिए क्योंकि हमारी भाषाओं और मलय भाषा में कई शब्द समान हैं।

मोदी ने कहा- पिछले साल मैं आसियान शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया नहीं आ सका था, लेकिन मैंने अपने दोस्त से वादा किया था कि मैं जल्द मलेशिया आऊंगा।

मोदी ने इंडियन कल्चरल सेंटर का नाम सुभाष चंद्र बोष के नाम पर रखा

मोदी ने कहा- मैंने सुना है कि मलेशिया में भारतीय संगीत और फिल्में काफी लोकप्रिय हैं। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम बहुत अच्छा गाते हैं, लेकिन भारत में बहुत से लोगों को यह बात पहले नहीं पता थी। उनके पिछले भारत दौरे के दौरान जब उन्होंने एक पुराना हिंदी गीत गाया, तो उसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। भारतीय पीएम ने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को महान अभिनेता और नेता एमजीआर के तमिल गीत बहुत पसंद हैं।

पीएम मोदी ने मलेशिया में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा। उन्होंने ऐलान किया कि कुआलालंपुर में मौजूद इंडियन कल्चरल सेंटर को अब नेताजी सुभाष चंद्र बोष इंडियन कल्चरल सेंटर (NSCBICC) कहा जाएगा। मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को सिर्फ एक बड़ा बाजार मानती थी, लेकिन अब भारत निवेश और व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। आज भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जाता है। चाहे ब्रिटेन हो, UAE, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ (EU) या अमेरिका, कई देशों ने भारत के साथ व्यापार समझौते किए हैं। भारत आपके दिलों में एक खास जगह रखता है। 2001 में गुजरात में भूकंप आया था। उस समय आप सभी (भारतीय समुदाय) ने मिलकर भारत की मदद की थी। इसके लिए सभी को धन्यवाद।

मलेशिया के प्रधानमंत्री से द्विपक्षीय चर्चा करेंगे पीएम मोदी

दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इस दौरान दोनों देश यह देखेंगे कि भारत और मलेशिया के बीच बनी 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' में अब तक कितना डेवलपमेंट हुआ है और आगे क्या किया जा सकता है।

मलेशियाई पीएम बोले- हमारे भारत के साथ ऐतिहासिक रिश्ते

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है और वे आभारी हैं कि भारत से उनके एक अच्छे दोस्त मलेशिया आए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भारत और मलेशिया के बीच पुराने और मजबूत रिश्ते को दिखाता है।

भाजपा की रितु तावड़े बीएमसी महापौर पद की उम्मीदवार

मुंबई। मुंबई में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए BJP और शिवसेना ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। BJP की रितु तवाड़े ने शनिवार को महापौर पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) ने संजय घाड़ी को डिप्टी मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है। तवाड़े और घाड़ी ने नगर निगम सचिवालय में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। मेयर का चुनाव 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे होगा। संभावना है कि शिवसेना ठाकरे गुट भी मेयर पद के लिए उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। BJP नेता अमित साटम ने रितु तवाड़े का नाम घोषित किया। तवाड़े वार्ड 132 की पार्षद हैं। रितु पहली बार 2012 में वार्ड संख्या 127 से पार्षद चुनी गई थीं। 2017 में घाटकोपर के वार्ड नंबर 121 से पार्षद बनी थीं। वे पहले मुंबई नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

महाराष्ट्र की 12 जिला पंचायतों में वोटिंग

डिप्टी सीएम सुनेत्रा ने बारामती में वोट डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के 12 जिलों में शनिवार को जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। सुबह 7:30 बजे वोटिंग शुरू हुई, जो शाम 5:30 बजे तक चलेगी। 9 फरवरी को काउंटिंग होगी। इस चुनाव में 7,438 उम्मीदवार मैदान में हैं। दो करोड़ से ज्यादा मतदाता वोट डालेंगे। आज सुबह बारामती में उपमुख्यमंत्री और पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने अपना डाला। यह चुनाव पहले 5 फरवरी को होने थे, लेकिन 28 जनवरी को उपमुख्यमंत्री अजित पवार की प्लने क्रैश में मौत के बाद घोषित तीन दिन का राजकीय शोक के रखा गया था। जिस कारण मतदान टाल दिया गया था। आज रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, सातारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणी, धाराशिव और लातूर जिलों में मतदान हो रहा है।

सुनेत्रा पवार ने 31 जनवरी को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी किया

मार्च 2026 तक फाइनल होने की उम्मीद

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने 'महाडील' की पूरी पिच तैयार कर ली है। शनिवार को दोनों ने आधिकारिक तौर पर अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक फ्रेमवर्क का ऐलान किया। इसका मकसद आपसी टैरिफ में कमी करके द्विपक्षीय व्यापार को बुलंदियों तक ले जाना है। इस डील के मार्च 2026 के मध्य तक फाइनल होने की उम्मीद है। यह व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) का शुरुआती कदम है। अमेरिका के साथ भारत की यह डील चीन की बेचैनी बढ़ाएगी। यह चीन के खिलाफ सप्लाई चेन को मजबूत करेगी। साथ ही भारत को दुनिया के सबसे बड़े पावरसेंटर में अपने सामान को किफायती कीमतों पर बेचने का मौका देगी। भारत ने सबकुछ ठीक किया तो वह दुनिया पर राज कर सकता है। यूरोपीय संघ (ईयू) के बाद अमेरिका के साथ ट्रेड डील उसे दुनिया पर छा जाने का मौका देते हैं। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने भी अंतिम फ्रेमवर्क पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

अंतरिम व्यापार समझौते की मुख्य बातें

ज्वाइंट स्टेटमेंट के अनुसार, अमेरिका ने भारतीय सामानों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को हटा दिया है। जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स, रत्न, हीरे और विमान के पुर्जों सहित भारतीय निर्यात पर टैरिफ शून्य हो जाएगा। भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक सामानों और कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ खत्म करने या कम करने का वादा किया है।

फास्ट न्यूज

तेज रफ्तार ऑडी ने बाइक सवार परिवार को रौंदा

रीवा। रीवा में तेज रफ्तार ऑडी कार ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। तीनों सवार उछलकर दूर जा गिरे। हादसे में पिता, छोटे बेटे और भांजी की मौके पर मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा शनिवार दोपहर रीवा-रायपुर मार्ग पर कोष्टा गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षद-र्शियों के अनुसार, रायपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही ऑडी कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मारी।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट केस में कोर्ट को जवाब

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जाने के केस में अपना जवाब दाखिल किया है। शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट को दिए जवाब में कहा उनके खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका गलत और अनुमानित तथ्यों पर आधारित है। यह याचिका ओछी राजनीति से प्रेरित और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। स्पेशल जज (CBI) विशाल गोगने की कोर्ट में वकील के जरिए दायर जवाब में सोनिया ने भारतीय नागरिकता हासिल करने से पहले वोटर लिस्ट में शामिल होने से जुड़े आरोपों का खंडन किया। साथ ही पुनर्विचार याचिका को खारिज करने की मांग की है। मामले की सुनवाई अब 21 फरवरी को होगी।

हाईकमान की बेरुखी से हिमाचल कांग्रेस में संगठन संकट

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को लेकर गहराता संकट अब सियासी चर्चा का विषय बनता जा रहा है। पहले, प्रदेश अध्यक्ष की तैनाती में एक साल लगा। अब अध्यक्ष की ताजपोशी के ढाई महीने बाद भी कांग्रेस संगठन नहीं बना। हालात यह हैं कि खुद कांग्रेस के नेता भी अब संगठन के गठन को लेकर उम्मीद खोते नजर आ रहे हैं।

हिमंता तुम 2 रुपए के भिखारी : औवेसी

असम सीएम ने कहा था- मियां ₹5 मांगे, तो 4 दो

प्रतिक्रिया

तमसा संकेत, एजेंसी

निजामाबाद। AIMIM अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने असम CM हिमंता बिस्वा सरमा के मियां मुस्लिम वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- मुझे पता है कि तुम 2 रुपए के भिखारी हो। क्या मैं ये पैसे तुम्हारे अकाउंट में ट्रांसफर कर दूं। दरअसल कुछ दिन पहले हिमंता ने मियां मुस्लिम पर एक बयान दिया था कि अगर वो (मियां मुस्लिम) रिक्शा के लिए 5 रुपए मांगे, तो 4 रुपए ही दो। इस तरह के छोटे-छोटे काम से परेशानी होने पर ही वो राज्य छोड़ेंगे। निजामाबाद रैली में AIMIM चीफ ने कहा कि संविधान सबको बराबर का हक देता है। पीएम हो या सीएम, किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। लेकिन हिमंता कहते हैं कि मियां मुस्लिमों के साथ ऐसा करेंगे। वोट देने बांग्लादेश चले जाएं। आप क्या करना चाहते हैं। ओवैसी तेलंगाना में नगर निगम चुनावों से पहले शुक्रवार रात को एक रैली संबोधित कर रहे थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

मंत्री-शाह ने कर्नल सोफिया मामले में चौथी बार माफी मांगी

भोपाल। कर्नल सोफिया को लेकर दिए बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से दो दिन पहले प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने एक बार फिर माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया है। शाह ने कहा- मैंने पहले भी कई बार कहा है, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज, किसी वर्ग का अपमान हो। वे शब्द निस्संदेह मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। वे शब्द देश भक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। गलती के पीछे की भावना को अवश्य देखा जाना चाहिए। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने अंतःकरण से क्षमा याचना की। कई बार की है। आज फिर कर रहा हूं। मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी छोटी से त्रुटि से ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरी भावनाओं को सही संदर्भ में देखा जाएगा।

सीएम योगी का पंचूर में भव्य स्वागत

बच्चों को दुलारते दिखे, बोले-हम भी तेरे दादा लगते हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

यमकेश्वर (ऋषिकेश)। सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को अपने घर पर लोगों से मिलते रहे। सुबह से ही ऋषिकेश, नरेंद्र नगर, कोटद्वार, देहरादून से आए प्रशंसक, नाते रिश्तेदार, आसपास के ग्रामीण और जन प्रतिनिधि योगी से मिलने के इंतजार में दिखाई दिए। कई लोग तो अपने दोस्तों को भी योगी आदित्यनाथ से मिलवाने पंचूर पहुंचे थे। लोग गेट पर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। सीएम योगी गांव भ्रमण पर निकले, तो रास्ते में मिले बच्चों को खूब दुलार किया। इस दौरान एक छोटा सा बच्चा फूल लेकर सीएम योगी को देने पहुंचे। बच्चे ने पैर छुए तो सीएम योगी ने उसे चॉकलेट की एक पोटली दी। बच्चा उस पोटली को अपने दादा को देने लगा। इस सीएम ने बच्चे से कहा कि हम भी तेरे दादा लगते हैं। इस दौरान नव विवाहित जोड़ा भी उनके आवास में पहुंचा और योगी ने उन्हें आशीर्वाद दिया। इस दौरान नव विवाहित जोड़े शिवानी बडोला और योगेश सेमवाल ने योगी आदित्यनाथ के साथ फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान कुछ ग्रामीण युवतियां अपनी शादी का कार्ड लेकर योगी से मिलने आए थे। योगी को कार्ड देते हुए उन्हें शादी समारोह में आने का निमंत्रण देते नजर आए। योगी ने विवाह में शामिल होने की हामी भरते हुए फोटो खिंचवाई।

>> (शेष पेज 04 पर)

कांडी निवासी जयवीर नेगी ने बताया कि जब वह योगी आदित्यनाथ से मिले तो योगी ने उनका नाम पता पूछा तो वह पहचान नहीं पाए जब उन्होंने अपने पिताजी और चाचा जी का नाम बताने पर वह पहचान गए और पूछा कि पिताजी एवं चाचा जी कैसे हैं।

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान योगी आदित्यनाथ ने जनता इंटर कॉलेज यमकेश्वर में नव निर्मित दोमंजिला कक्षा कक्ष भवन के लोकार्पण सहित पंचूर गांव में निर्माणाधीन मंदिर का निरीक्षण किया था। शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे गांव भ्रमण पर निकले योगी ने बच्चों और ग्रामीणों के साथ फोटो खिंचवाई। शाम को अपनी माता से मिलकर कमरे से बाहर निकले और अपनी दोनों बहनों और वहां मौजूद लोगों को हाथ जोड़कर अभिवादन करते हुए घर विदा हुए। सीएम योगी दोपहर सवा तीन बजे गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय पहुंचे।

घटना : पुलिस इंस्पेक्टर की मौत, 13 घायल, झूले पर 18 लोग बैठे थे, मेला ग्राउंड खाली कराया गया

फरीदाबाद के सूरजकुंड मेले में झूला गिरा

- मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंचे हैं, ग्राउंड को खाली करा दिया गया।
- सूरजकुंड मेले में ऊपर से नीचे आते हुए झूला गिरा। वहां एक व्यक्ति के मोबाइल में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में चल रहे सूरजकुंड मेले में शनिवार को एक झूला गिर गया। हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। घायलों का निजी और बादशाह खान सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद डिप्टी कमिश्नर (DC) आयुष सिन्हा घटनास्थल पर पहुंचे और मेला ग्राउंड को खाली करा दिया गया। झूले पर 18 लोग बैठे हुए थे। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, इसमें झूला ऊपर से नीचे आते हुए गिरता हुआ दिख रहा है। इसके बाद मेले में लोग इधर-उधर भागने लगे। पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा- "झूला क्षेत्र में एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ। पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। सभी घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध करवाया जा रहा है।" 39वां इंटरनेशनल सूरजकुंड क्राफ्ट मेला 31 जनवरी को शुरू हुआ था, इसका उद्घाटन उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया। यह मेला 15 फरवरी तक चलेगा। इसमें भारत के 30 राज्यों के लगभग 1150 कलाकार हिस्सा ले रहे हैं।

घटना पर चश्मदीद की 2 बातें

झूला गिरते ही लोग चिल्लाने लगेः सूरजकुंड मेले में दुकानदार और चश्मदीद राघव ने बताया कि वे कस्टमर अटेंड कर रहे थे। अचानक झूला गिर गया और रेलिंग में अटक गया। अटके हुए झूले पर लोग चिल्लाने लग गए। वे लोगों को बचाने के लिए झूले पर चढ़ गए और धीरे-धीरे 7 से 8 लोगों को नीचे उतार लिया। इसके बाद वे भी नीचे आ गए।

कुछ लोग उतारे, अचानक नीचे आयाः राघव ने आगे बताया कि तभी अचानक झूला और नीचे आकर गिरा। उनके ऊपर भी रेलिंग गिरी, जिससे उनके कंधे पर मामूली चोट आई। इसके बाद पुलिसकर्मी भी बचाव में लग गए। वहां खड़े एक इंस्पेक्टर भी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस की टीमें आ गईं और वहां का एरिया खाली करा लिया गया।

दिल्ली बाइकर डेथ केस-गड्ढे वाली जगह पर बैरिकेड-लाइट नहीं थे

साइट का सब-कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार, 3 इंजीनियरों पर भी केस दर्ज-सस्पेंड

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में मोटरसाइकिल सवार की मौत के मामले में FIR में कहा गया है कि साइट पर कोई वॉर्निंग साइन, बैरिकेड या लाइटिंग नहीं थी। कोई गार्ड तैनात भी नहीं किया गया था। FIR में कहा गया है कि गड्ढे को बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला छोड़ दिया गया था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने इस सिलसिले में कंस्ट्रक्शन साइट के एक सब-कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में पता चला कि सब-कॉन्ट्रैक्टर राजेश प्रजापति को घंटों पहले ही दुर्घटना के बारे में बता दिया गया था, लेकिन उसने कोई कार्रवाई नहीं की। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को कहा कि सरकार ने इस मामले में लापरवाही के आरोप में तीन इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया है दरअसल 5 फरवरी की देर रात कमल भयानी (25) की दिल्ली जब बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गड्ढे में गिरने से मौत हो गई थी।

- 5 फरवरी की देर रात गड्ढे में गिरने से कमल भयानी की मौत हो गई थी।

एफआईआर में कहा गया- ठेकेदार को पता था ऐसा हो सकता है

जनकपुरी पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत FIR दर्ज की गई है। इसमें कहा गया है दिल्ली जल बोर्ड और उसके ठेकेदार को यह अच्छी तरह पता था कि सार्वजनिक सड़क पर सुरक्षा उपायों के बिना खुला गड्ढा छोड़ने से कोई व्यक्ति गिर सकता है और उसकी जान जा सकती है।

सम्पादकीय

जवाबदेही के दायरे में आएं टेक कंपनियां

यह लेख डिजिटल युग में 'भुला दिए जाने के अधिकार' पर केंद्रित है, बताता है कि कैसे पुराने डिजिटल पदचिह्न व्यक्तियों के लिए बाधा बन सकते हैं। यह फेक न्यूज, डॉक्सिंग और डीपफेक जैसे डिजिटल मीडिया के दुरुपयोग पर प्रकाश डालता है, और तकनीकी कंपनियों की जवाबदेही पर जोर देता है। भारत में एक स्पष्ट कानून की आवश्यकता है जो व्यक्तिगत निजता और सार्वजनिक हित को संतुलित करे, साथ ही एआई के सकारात्मक उपयोग और मजबूत कानूनी ढांचे की वकालत करता है। सुबह की पहली किरण के साथ जब हम अपने स्मार्टफोन का स्क्रीन अनलॉक करते हैं, तो हम केवल एक उपकरण नहीं खोलते, बल्कि एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करते हैं, जो कभी सोती नहीं है। यह डिजिटल दुनिया जितनी चमकदार है, उतनी ही बेरहम भी। आज हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल मीडिया के गलियारों में बीत रहा है। हमारी पहचान, रिश्ते और समाज में प्रतिष्ठा अब हमारे पदचिह्नों यानी डिजिटल फुटप्रिंट्स से तय होती है, पर समस्या तब शुरू होती है जब ये पदचिह्न हमारी वर्तमान पहचान के लिए बोझ बन जाते हैं। कल्पना कीजिए एक ऐसे युवक की, जिस पर दस साल पहले एक छोटा आरोप लगा था। अदालत ने उसे ससम्मान बरी कर दिया, लेकिन आज जब कोई कंपनी उसे नौकरी देने के लिए उसका नाम गूगल करती है, तो सबसे ऊपर वही पुरानी गिरफ्तारी की खबर चमकती है। यही वह बिंदु है जहां राइट टू बी फॉरगाटेन यानी भुला दिए जाने का अधिकार विलासिता नहीं, बल्कि जीने के अधिकार का हिस्सा बन जाता है। डिजिटल मीडिया का दुरुपयोग आज एक महामारी की तरह फैल चुका है। फेक न्यूज, ट्रोलिंग और साइबरबुलिंग ने वर्चुअल स्पेस को एक युद्ध का मैदान बना दिया है। सबसे भयावह रूप तब सामने आता है, जब किसी की निजी जानकारी या तस्वीरें उसकी मर्जी के बिना सार्वजनिक कर दी जाती हैं। इसे डॉक्सिंग कहा जाता है। यह केवल तकनीक का गलत इस्तेमाल नहीं है, बल्कि यह एक इंसान की गरिमा पर सीधा हमला है। जब कोई अपमानजनक सामग्री एक बार वायरल हो जाती है, तो उसे पूरी तरह मिटाना लगभग असंभव हो जाता है। डिजिटल दुनिया में कुछ भी स्थायी रूप से मरता नहीं है, वह बस दबा रहता है और समय-समय पर बाहर आता रहता है। यहीं पर राइट टू बी फॉरगाटेन की अवधारणा उम्मीद की किरण है। व्यक्ति को यह अधिकार होना चाहिए कि वह अपने पुराने, अप्रासंगिक या गलत डिजिटल रिकॉर्ड्स को हटवा सके। यूरोपीय संघ का एक कानून इस मामले में एक मिसाल है। वहां के एक चर्चित मामले में यह तय हुआ कि अगर कोई जानकारी अब जरूरी नहीं है, तो उसे सर्च रिजल्ट्स से हटाना होगा। भारत में भी इस अधिकार की सुगबुगाहट तेज हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने पुट्टास्वामी केस में निजता को मौलिक अधिकार तो माना, लेकिन राइट टू बी फॉरगाटेन अभी भी एक कानूनी धुंध में फंसा हुआ है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल में माना कि एक व्यक्ति को अपनी पुरानी गलतियों या विवादों से आगे बढ़ने का हक है। क्या हमारे पास इसके लिए कोई ठोस कानून है? भारत का डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 इस दिशा में एक कदम जरूर है। यडाटा मिटाने का अधिकार देता है, लेकिन इसमें कई पेच हैं। जब कोई व्यक्ति अपना डाटा हटवाने की मांग करता है, तो उसके सामने अभिव्यक्ति की आजादी और न्यायिक पारदर्शिता की दीवार खड़ी हो जाती है। मिसाल के तौर पर, क्या एक भ्रष्ट नेता यह कह सकता है कि लोग उसके पुराने घोटाले भूल जाएं, क्योंकि अब वह सुधर गया है? निश्चित रूप से नहीं। जनता को जानने का अधिकार और सार्वजनिक हित हमेशा निजी निजता से ऊपर रहेगा, लेकिन एक सामान्य नागरिक, जो किसी झूठे मुकदमे या निजी विवाद का शिकार हुआ है, उसे अदालतों के चक्कर क्यों काटने पड़ें? हमारे वर्तमान कानून में एक ऐसी स्पष्ट प्रक्रिया की कमी है, जो टेक कंपनियों को जवाबदेह ठहरा सके। इस जटिल समीकरण में अब एआई ने प्रवेश किया है। एआई के दुरुपयोग का सबसे वीभत्स रूप डीपफेक है। आज किसी भी आम इंसान का चेहरा किसी अश्लील वीडियो या भड़काऊ भाषण के साथ जोड़ना बच्चों का खेल बन गया है। एआई एल्गोरिदम आज इतने शक्तिशाली हैं कि वे आपकी पसंद-नापसंद को भांप लेते हैं और आपको उसी दिशा में ले जाते हैं, जो वे चाहते हैं। नफरत भरे कंटेंट पर इंगेजमेंट ज्यादा आती है, इसलिए एल्गोरिदम उसे बढ़ावा देते हैं। यह एआई का वह चेहरा है, जो समाज को बांट रहा है। इसी एआई में समाधान भी छिपा है। अगर हम एआई को सही नीयत के साथ इस्तेमाल करें, तो यह एक डिजिटल रक्षक बन सकता है। जिस रफ्तार से डिजिटल मीडिया पर डाटा अपलोड होता है, उसे इंसान कभी मॉनिटर नहीं कर सकते। यहां एआई एक फिल्टर की तरह काम कर सकता है। यह आपत्तिजनक कंटेंट, डीपफेक और फेक न्यूज को उसके फैलने से पहले ही पहचान कर ब्लाक कर सकता है। राइट टू बी फॉरगाटेन को लागू करने में एआइ मददगार साबित हो सकता है। जरूरत एक ऐसी नीति की है, जो टेक कंपनियों को बाध्य करे कि वे अपने एआई माडल्स को सुरक्षा और निजता के अनुकूल बनाएं। भारत को राइट टू बी फॉरगाटेन के लिए एक सशक्त ढांचा तैयार करना होगा। यह केवल कागजी अधिकार न हो, एक ऐसी व्यवस्था हो, जहां एक क्लिक पर पीड़ित की सुनवाई हो। हमें विशेष डिजिटल ट्रिब्यूनल्स की जरूरत है जहां तकनीकी विशेषज्ञ और कानूनी जानकार मिलकर त्वरित फैसले लें।

नवांकुर पीढ़ी को गेमिंग की लत से छुड़वाने की चुनौती?

> बिना किसी हस्तक्षेप के बच्चे इतने साल अपनी पढ़ाई को कैसे गंवा सकते हैं? क्या उन्हें कोई दिक्कत थी। सीखने-पढ़ने में कोई कठिनाईयां थीं। या फिर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्याएं थीं। इसके अलावा कोई सामाजिक अलगाव या कुछ और समस्याएं थीं, जिस पर परिवार ने ध्यान नहीं दिया? इन सवालों के तय तक जांच-पड़ताल करने की जरूरत है।

पिछले ही सप्ताह भोपाल की छत्रसाल कॉलोनी के एक व्यवसायी के 8वीं क्लास में पढ़ने वाले इकलौते बेटे ने गेमिंग में फंसकर आत्महत्या की थी। घटना चर्चाओं में थी कि वैसा ही एक और मामला गाजियाबाद में घट गया। सिलसिलेवार तरीके से इस तरीके के केस रोजाना प्रकाश में आ ही रहे हैं। बीते 24 महीनों में करीब 180 घटनाएं देशभर में रिपोर्ट की गई हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में जिस हिसाब से 5 सालों में उछाल आया है वह निश्चित रूप से रोंगटे खड़े करता है। कौनसी तरकीब अपनाई जाए, जिससे बच्चें फिर से गेमिंग के चुंगल से निकलकर अपने पारंपरिक देशी किस्म के खेलकूदों की ओर मुड जाएं। दरअसल, ऐसी जरूरत गाजियाबाद में तीन बहनों के सुसाइड के बाद और ज्यादा महसूस होने लगी है। क्यों मॉडर्न बच्चे मैदानी खेलों को छोड़कर मोबाइल गेमिंग जैसी आफतों में घुसते जा रहे हैं। ऐसे सवालों का उत्तर बिना देर किए सामुहिक स्तर पर समाज के प्रत्येक वर्गों को खोजना चाहिए। टीनएजर्स में गेमिंग की लत जानलेवा बीमारी जैसी हो गई है जिसका ताजातरीन उदाहरण सामने है। कोरियन गेमिंग की आड़ में गाजियाबाद की तीन सगी नाबालिग बहनों ने 'लवर गेम टास्क' में खुद को फंसाकर मौत को गले लगाना पड़ा। उनके सुसाइड की खबर समाज में आग की तरह फैली हुई हैं। दरअसल तीनों बहनों ने मौत को जिस अंदाज से अपनाया उसने अभिभावकों को सबसे ज्यादा झकझोरा है। मृतकों ने अपने पिता के नाम चिट्ठी लिखकर मौत की वजह भी बताई। आठ पन्नों के सुसाइट में उन्होंने अपनी अधूरी चाहत की पूरी दास्तां को विस्तार से लिखा। ऐसी-ऐसी वजहें लिखीं, जिन्हें पढ़-सुनकर समाज सोचने पर विवश हुआ है। घटना की शुरूआती पड़तालें बताती हैं कि गेंम की गिरफत में तीनों बहनें ऐसी जकड़ी कि निकल ही नहीं पाई, निकलने की तमाम नाकाम कोशिशें जरूर की? लेकिन दलदल में इतनी फंस चुकी थी, वहां से निकला उनके लिए नामुकिन हो गया। अंत में तीनों ने नौवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त करना ही मुनासिब समझा। पुलिस घटना की तफ्तीश में है। मामला जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, नई-नई अचंभित करने वाली बातें सामने आ रही हैं। कुछ ऐसी भी बातें जिनपर एकाएक विश्वास करना मुस्किल है। पुलिस की थ्योरी और पड़ोसियों की माने तो तीनें लड़कियां चौबीसों घंटे गेंम में रहती थीं। तीनों ही कोरियन लड़कों से शादी करने पर आमादा थी। गेंमिंन के जरिए कोरियन कल्चर को उन्होंने अपने दिल-दिमाग में इस कदर बिठा हुआ था कि कोरिया के बिना उनका जीवन बेकार है। उनकी हरकतों से परिवार भी, बीते दो सालों से परेशान और चिंतित था। पिता ने तीनों से उनका मोबाइल भी छीन लिया था, जिसके चलते उन्होंने लड़ना-झगड़ा भी शुरू कर दिया था। इसके अलावा लड़कियां रोजाना अपने परिवार पर कोरिया ले जाने का दबाव भी डालने लगी थीं। सुसाइड में तीनों बहनों ने दुखभरी इमोजी भी बनाई, जिसमें पिता चेतन कुमार को 'सॉरी पापा' लिखकर, अंत में अलविदा शब्द भी लिखा। ये बात अब तथ्यात्मक हो चुकी है कि ज्यादातर गेम साइको टाइप लत परोसने लगे हैं। बच्चों को ज्यादा से ज्यादा अपनेपन का एहसास कराने की जरूरत है। एक बार जो इसकी गिरफ्त में फंसा, तो आसानी से छुटकारा नहीं पा सकता। इस झकझोर देने वाली घटना को ध्यान में रखकर ये समझा होगा कि आखिर कोरियाई कल्चर टीनएजर्स को क्यों लुभाने रहा है? दरअसल, कोरियाई कल्चर की कुछ खासियतें हैं। उनका आधुनिक ड्रामा और के-पॉप प्यार और पारिवारिक भावनाएं लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता हैं। उनके अपनेपन से लोग आसानी से उनसे जुड़ जाते हैं। कोरिया की आधुनिक और पारंपरिक जीवनशैली, के-फूड, फैशन और के-ब्यूटी भी नवयुवाओं को खासा आकर्षित करती है। हिंदुस्तान में इस समय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कोरियन फिल्म, ड्रामा, सीरियल और मूवीज को खूब पसंद किए जा रहे हैं। इस सबसे बढ़कर नवाचर युवाओं पर उनका गेंमिंग सेक्टर ज्यादा प्रभाव डाल रहा है। नवांकुर युवा होती जनरेशन पर ऑनलाइन गेमिंग के गहरे मानसिक असर से बचाने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी हो गई है। गाजियाबाद जैसी घटनाओं के चलते नाबालिगों का असमय चले जाना, अभिभावकों को भीतर तक आघात देता है। बदले युग की आधुनिक तस्वीरें निश्चित रूप से डरावनी हैं। मैदान, पार्क, खेलकूद की तमाम जगहें बच्चों के बिना सुने पड़े हैं। उन्हें छोड़कर बच्चें मोबाइलों में घुसे हैं। स्कूलों से आने के बाद बच्चे मोबाइल्स पर झपट्टा मारते हैं। इस दुखद घटना से हम सभी को सीखने की जरूरत है। घटना 4 फरवरी सुबह करीब सवा दो बजे गाजियाबाद के 'भारत सिटी सोसाइटी' की है। पिता चेतन ने दो शादियां की थी, पहली बीवी से दो बेटियां हुई लेकिन बेटे के चाहत में चेतन ने अपनी साली से ब्याह किया, उससे भी बेटी हुई। तीनों की उम्र महज 16, 14 और 12 वर्ष के आसपास थी। तीनों एक ही कमरे में ज्यादातर समय साथ बिताती थीं। कोविड के बाद किन्हीं वजहां से उनका स्कूल जाना बंद हुआ। उसके बाद कथित तौर पर एक मोबाइल गेमिंग ऐप के प्रभाव में आ गईं। दरअसल, यही बात अपने आप में सवाल खड़े करती है। क्योंकि एकाएक गेम की लत के चलते तीनों का दुनिया छोड़ देना, गले नहीं उतरता? फिर अगर, मौत का कारण गेम है तो इतना समझ लेना चाहिए, इस समस्या ने सभी के दरवाजों पर दस्तक दे दी है। अपने बच्चों को कैसे बचाना है, ये खुद पर निर्भर करता है। क्योंकि हमारे देश में ऐसा संभव नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया की भांति हमारे यहां भी 16 वर्ष तक के बच्चों को सोशल मीडिया पर बैन लग सकता है। ये अभिभावकों के लिए खुली चुनौती और चेतावनी जैसी है। ऐसी चेतावनी जो बच्चों को गेमिंग जैसी बीमारी से बचाने का आह्वान करती है। बच्चों पर निगरानी रखनी होगी। मोबाइल में देखी उनकी सामग्रियों की जांच करनी चाहिए। अगर कुछ गलत देखता है तो उसे समझना होगा। बढ़ती किशोरावस्था की आत्महत्याओं को किसी भी सूरत में रोकना होगा।

■ डॉ.रमेश ठाकुर

यहाँ विचारधारा को ...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

फुटनोट की महान विभूति

इस देश की सार्वजनिक जीवन की सबसे दिलचस्प विशेषता यह है कि यहाँ कर्म से अधिक पहचान का मूल्य है । निष्ठा , लेबल , विचार धारा , सदाचार पर भारी हैं। जो दिखाई देता है वही माना जाता है और जो माना जाता है वही सम्मानित होता है। मंच पर बैठे चेहरे बदलते रहते हैं पर मंच के पीछे रखी कुर्सियाँ स्थायी होती हैं। कुछ लोग इन्हीं कुर्सियों की छाया में बड़े होते हैं। कुछ पूरी धूप में तपते रहते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो धूप और छाया दोनों से ईमानदारी से गुजरते हैं पर अंत में किसी भी मौसम के आधिकारिक प्रतिनिधि नहीं बन पाते। यहाँ विचारधारा कम, वेशभूषा अधिक बोलती है। अगर आपके माथे पर सही तिलक है, चाल में सही ताल है । सम्बन्ध सीधे हों या परोक्ष , सही अवसरों पर नजर है, तो आपकी योग्यता प्रमाणित मान ली जाती है। इसके विपरीत अगर आप वही काम बिना विशिष्ट परिधान के करते हैं, वही अनुशासन बिना ढोल के निभाते हैं और वही विचार बिना घोषणा के जीते हैं, तो आप संदिग्ध ठहराए जाते हैं। आपको न तो अपना कहा जाता है, न पराया। आप उपयोगी हैं पर सम्मान के लिए अनिवार्य नहीं। सत्ता और सम्मान के इस गलियारे में सबसे ज्यादा भीड़ उन्हीं की होती है जो समय पर सही जगह खड़े हो जाते हैं। यहाँ आदर्शों की दुकान है, पर तमगे उन्हीं को मिलते हैं जिनके पास अधिकृत पहचान पत्र हो। बाकी लोग आदर्शों के साथ सोचते रह जाते हैं कि शायद अगली बार उनका नंबर आएगा। वे भूल जाते हैं कि यहाँ कतार नहीं, चयन होता है और चयन में खड़े रहने से ज्यादा जरूरी है पहचाने जाना। इस पूरे परिदृश्य में सबसे मजेदार भूमिका निरीह तटस्थों की है। वे नारे नहीं लगाते, इसलिए संदेह के घेरे में रहते हैं। वे गलत को गलत भी कहते हैं, इसलिए अविश्वसनीय माने जाते हैं। वे समर्थन करते हैं, पर अंध भक्ति नहीं । वे अपने समय की विसंगतियों को पहचानते हैं, पर तालियों के लिए नहीं, आत्मसंतोष के लिए लिखते बोलते काम करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी भूल है। सत्ता को शोर पसंद है, स्पष्ट पक्षधरता पसंद है। जो चुपचाप सही काम करता है, वह व्यवस्था के लिए असुविधाजनक होता है क्योंकि वह उदाहरण बन जाता है। उदाहरण व्यवस्था को डराते हैं। व्यवस्था चाहती है अनुयायी, प्रश्नचिह्न नहीं। इसलिए जो लोग बिना झंडा उठाए उसी दिशा में चलते हैं, उन्हें सबसे पहले हाशिए पर धकेल दिया जाता है। न वे विद्रोही कहलाते हैं, न समर्थक , वे बस असुविधाजनक होते हैं। अजीब स्थिति बनती है उनकी जिन्होने कोई खेमे को अपनाया नहीं, फिर भी हर खेमे के सच में शामिल होते हैं। एक ओर उन्हें कहा जाता है कि तुम हमारे नहीं हो, दूसरी ओर यह भी स्वीकार किया जाता है कि तुम्हारी बातों में दम है। यह दम ही उनके लिए अभिशाप बन जाता है। क्योंकि दमदार तटस्थता सबसे खतरनाक होती है। वह सवाल उठाती है, बिना यह बताए कि सवाल किसके पक्ष में है। यहाँ विचारधारा को अक्सर गणवेश समझ लिया जाता है। जो गणवेश में नहीं, वह या तो गुप्त शत्रु है या असमंजस में पड़ा हिस्सा मात्र । यह मान लिया जाता है कि बिना पहचान के कोई समर्पण संभव नहीं। जबकि सच्चाई यह है कि सबसे गहरा समर्पण वही होता है जो प्रचार का मोहताज नहीं होता। लेकिन इस सच्चाई की कीमत बहुत महँगी है। उसे कोई पुरस्कार नहीं मिलता, कोई नियुक्ति नहीं, कोई मंच नहीं। इतिहास ऐसे लोगों से भरा पड़ा है जिन्होंने अपने समय में सही कहा, सही किया, पर गलत जगह खड़े रहे। वे न तो सत्ता के गीतकार बने, न विरोध के पेशेवर चेहरे। वे बीच की उस जमीन पर खड़े रहे जहाँ से दृश्य सबसे साफ दिखता है, पर वहीं सबसे ज्यादा अकेलापन भी मिलता है। उनके हिस्से में न जयकार आई, न समर्थन, बस उपेक्षा मिल पाई। ऐसे लोग सम्मान की चयन सूची के नॉमिनेशन बस बने रह जाते हैं। जो वास्तव में उस अनुशासित, समर्पित और राष्ट्रकेंद्रित कार्यशैली को अपने जीवन में उतारते हैं, पर उसे नाम की माला नहीं पहनाते, वे अनदेखे रह जाते हैं। उन्हें वह खेमा संदेह से देखता है जिसकी वे अपने आदर्श की मूल भावना में आलोचना नहीं करते, और वह खेमा तो उनसे कतराता ही है जिसकी विसंगतियों पर वे उंगली रखते हैं। सत्यवादी होना यहाँ सबसे असुविधाजनक स्थिति है। क्योंकि सत्य किसी का स्थायी समर्थक नहीं होता। वह सबको आईना दिखाता है और आईना हर सत्ता को चुभता है। इसलिए सबसे सुरक्षित स्थान या तो पूरी तरह पक्ष में होना है या पूरी तरह विपक्ष में। बीच में खड़ा व्यक्ति इतिहास में नहीं, फुटनोट में भी जगह नहीं पाता।

इसका दूसरा ...

राजेश कुमार पासी

संसदीय हंगामा-सबके लिए आत्मचिंतन का विषय

4 और 5 फरवरी को संसद में जो कुछ हुआ है, वो बहुत शर्मनाक है । ऐसा लगता है कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में हार के बाद विपक्ष बौखला गया है, इसलिए संसद में अराजकता पैदा करके सरकार को परेशान करना चाहता है । संसदीय लोकतंत्र में संसद चलाना सरकार की जिम्मेदारी मानी जाती है, लेकिन विपक्ष के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। विपक्ष पूरी जिम्मेदारी सरकार पर डालकर, संसद में अराजकता फैला रहा है। विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी दूसरे दिन भी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब नहीं दे सके, जिसके कारण यह प्रस्ताव उनके जवाब के बिना ही पास कर दिया गया । 2004 के बाद भारत के संसदीय इतिहास में यह दूसरी बार हुआ है कि भारत के प्रधानमंत्री को संसद में बोलने ही नहीं दिया गया । यह संसदीय परंपरा है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री के जवाब के बाद ही यह प्रस्ताव पारित किया जाता है । परंपरा का टूटना संसदीय गरिमा का गिरना है और इसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में कटुता पैदा होने वाली है । इस घटना के बाद विपक्ष पर इसका कोई असर होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है । राज्यसभा में जब प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे, तो विपक्षी दलों द्वारा हंगामा किया गया और इसके बाद विपक्ष ने प्रधानमंत्री के भाषण का बहिष्कार करते हुए संसद छोड़ दी । सवाल यह है कि इससे विपक्ष को क्या हासिल हुआ । जो बात प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहनी थी, वो बात उन्होंने राज्यसभा में कह दी । प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकसभा में जवाब न देने पर विपक्ष ने कहा कि मोदी डरकर भाग गए हैं, लेकिन राज्यसभा में उनके भाषण के दौरान विपक्ष ही सदन छोड़कर भाग गया । विपक्ष को सदन में बैठकर प्रधानमंत्री के जवाब को सुनना चाहिए । इसके बाद ही विपक्ष का हक बनता है कि वो कहे कि मोदी ने उनके सवालों का जवाब नहीं दिया । इस बार सत्र की शुरूआत से ही संसद में जैसे दृश्य देखने को मिले हैं, उससे संसद की गरिमा के गिरते स्तर का अंदाजा लगाया जा सकता है । संसदीय इतिहास में पहली बार है कि लोकसभा स्पीकर द्वारा संसद में प्रधानमंत्री पर विपक्षी सांसदों के हमले की आशंका जताई गई है । स्पीकर ओम बिरला का यह कहना कि उन्हें सूचना मिली थी कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ कोई अप्रत्याशित घटना घट सकती है, बहुत गंभीर बात है। विपक्ष की महिलाओं का प्रधानमंत्री मोदी की सीट को घेर लेना बता रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष की आशंका पूरी तरह गलत नहीं थी। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि उनकी बात से पीएम मोदी सहमत हो गए और संसद में नहीं आये। सवाल यह है कि ये प्रत्याशित घटना क्या हो सकती थी और इससे भारतीय संसद पर कितना बड़ा कलंक लग सकता था। जो हो नहीं हो पाया, लेकिन करने की कोशिश की गई, उसे ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता। अगर किसी दुर्घटना को होने से रोक दिया जाए तो भी अपराधी को ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

कमलेश पांडेय

अब सामाजिक न्याय व धर्मनिरपेक्षता का झंडा बुलंद करेगी भाजपा

कभी 'मंडल' के बाद 'कमंडल' की सियासत शुरू करके राष्ट्रीय व सूबाई राजनीति में कांग्रेसियों, समाजवादियों और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन को निपटाने वाली भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अब केंद्र व राज्यों में 'ओबीसी नेतृत्व' के मजबूत होते ही स्वघोषित 'हिंदुत्व' के एजेंडे से भटकते हुए उसी कथित सामाजिक न्याय व सेक्युलरिज्म का झंडा बुलंद करती दिखाई दे रही है, जिसकी जनविरोधी सियासत करने वाले दल हाशिए पर चले गए! बताया जाता है कि अपने वर्तमान नेतृत्व को चुनावी मजबूती यानी बहुमत दिलाते रहने के लिहाज से भाजपा ने भी देश की उसी घिसी पिटी सवर्ण विरोधी 'सामाजिक न्याय' और मुस्लिम परस्त 'अल्पसंख्यकवाद' की राजनीतिक पीच पर नए तरीके से शैक्षणिक बॉलिंग-बैटिंग शुरू की है, ताकि वह लोकसभा चुनाव 2024 के अप्रत्याशित परिणाम के सदमे से उबर सके। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने भी उसकी हौसलाअफजाई की है! इसलिए जहां निर्वाचित सवर्ण नेतृत्व भी रणनीतिक खामोशी दिखा रहा है, वहीं सामान्य जाति के लोग भाजपा-संघ की सुनियोजित चाल के खिलाफ सुलग रहे हैं।दरअसल, भाजपा सरकार नियंत्रित 'यूजीसी' के एक नापाक करतब से और उसे पर्दे के पीछे से शह देते हुए अमलीजामा पहनाने वाली मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के साल 2023 वाले समनुरूप दिशानिर्देश से और बिहार के तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के हालिया निर्देशों से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि हिंदूहित चिंतक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनका सियासी मुखौटा समझी जाने वाली भाजपा के ओबीसी-दलित रणनीतिकार और मातहत अधिकारी सत्ता मद में इतने नेता मदांध हो चुके हैं कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाए हुए रोक की भी उन्हें परवाह नहीं है। मसलन ऐसा करके अपने ही पुराने नारों और मुद्दों को दरकिनार करते हुए देश व समाज को तोड़ने वाले दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक विमर्श को पुनः हवा देने लगी है, जबकि समग्र हिन्दू हित में जातिवादी और पूंजीवादी सोच-समझ के सम्पूर्ण उन्मूलन की दिशा में उसे सधे हुए रणनीतिक कदम बढ़ाने चाहिए। ऐसे में भारतीय समाज का इंजन समझे जाने वाले सवर्णों की सामाजिक व राष्ट्रीय दुविधा बढ़ेगी, जिससे देर सबेर 'हिंदुत्व' का गतिशील विचार रथ भी थमेगा और दुनियावी चक्रब्यूह संरचना संकट में फंसेगा। ततपश्चात भाजपा की सरकारें भी लुढ़क कर किस सियासी गड्ढे में जा फंसेगी, इसकी शायद कल्पना उन्होंने भी नहीं की होगी। ऐसे अदूरदर्शी रणनीतिकारों को पता होना चाहिए कि भारत की सियासत में धुर सवर्ण विरोधी एजेंडा अपनाने वाले दल हाशिए पर सिमटकर देशद्रोही सियासत की ओर उन्मुख हो गए। बताया जाता है कि कांग्रेस की धुर मुस्लिम तुष्टिकरण और जातीय समीकरण वाली जड़वत सियासी नीतियों से अपेक्षाकृत प्रगतिशील सवर्णों का मन ऊब गया तो वे कांग्रेसी से समाजवादी बने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई व पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री राजनारायण सिंह जैसे समाजवादियों ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित कर लिया और देश की सत्ता हथिया ली। तब 1960 और 1970 के दशक में कांग्रेस को कमजोर करने और उसके पक्षधर दलितों-मुसलमानों को उससे दूर करके अपने पक्ष में मिलान के लिए ही राममनोहर लोहिया जैसे समाजवादी नेताओं ने पिछड़ावर्ग को गोलबंद करते हुए नारा दिया था- ₹पिछड़ा पावे सौ में साठ।₹ इसी रणनीति के तरह 1977 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने ओबीसी के हितार्थ मंडल आयोग का गठन किया था। उसी मंडल आयोग की रिपोर्ट को 1989 में लागू करके समाजवादियों की तत्कालीन जनता दल सरकार के प्रधानमंत्री वी पी सिंह ने जिस ओबीसी सियासत को हवा दी, उसका मकसद तत्कालीन उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल को काबू में रखना था। इसके बाद जो हुआ देशवासी वाकिफ हैं। दरअसल, इन सब जातिवादी और सेक्युलर सियासत के पीछे की गहरी राजनीतिक चाल यह है कि पूंजीवाद समर्थक कांग्रेस और भाजपा एक ही सियासी सिक्के के दो पहलू हैं और इन्होंने कभी समाजवादियों को आगे करके वामपंथियों को कमजोर किया तो कभी समाजवादियों में फूट दलकरके भारत में पूंजीवादी हितों को संरक्षित किया।बताया जाता है कि पूंजीवाद एजेंडे को सामाजिक कवच प्रदान करने के लिए ही ये पार्टियां पुनः जाति आधारित सामाजिक न्याय और धर्म आधारित अल्पसंख्यकवाद की सियासत को संविधान बचाने की आड़ लेकर नए सिरे से धार दे रही हैं। वहीं, भाजपा भी अब इसी सियासी पीच पर लौटने की जो बेताबी दिखा रही है, उससे अब यह साफ हो चुका है कि भाजपा का हिंदुत्व भी 'नेहरू कांग्रेस' के मुस्लिम लीगी जिन्ना विरोधी हिंदुत्व सरीखा छलावा ही निकला! जबकि इनकी सवर्ण विरोधी राजनीति से सवर्ण नेताओं की तो सियासत चमकी, लेकिन जमींदारी से लेकर नौकरी और कारोबार तक में उन्हें हाशिए की ओर जाना पड़ा। अब तो उन्हीं विदेशी कम्पनियों की देश में पुनः आवभगत होने लगी है, जिनकी साजिशों से कभी भारत गुलाम बना था और स्वतंत्रता संघर्ष में सवर्णों को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। बताया जाता है कि गुलाम भारत की राजनीति में जब अंग्रेज-अंग्रेजियत विरोधी मुहिम तेज हुई, तो चालाकी से उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम विमर्श तेज कर दिया। परिमाण स्वरूप देश और समाज दोनों टूटा। इसी क्रम में जब हिन्दू, मुसलमानों के खिलाफ एकजुट होने लगे तो चतुर अंग्रेजों ने 1933 में जातीय जनगणना करवाकर दलित, पिछड़ा और सवर्ण विमर्श जैसी हिन्दू विरोधी सियासत शुरू की, जिससे सामाजिक विखंडन की गति तेज हुई। तब उनकी इस फूट डालो, शासन करो वाली खलनीति का गुप्त एजेंडा था ब्रिटिश प्रभाव ईस्ट इंडिया कम्पनी को मजबूती देने वाले जमींदारों को शह देना और उनके खिलाफ देशवासियों को गुप्त मदद देकर भड़काने वाले राष्ट्रवादी जमींदारों व उनके सिपहसलारों को कमजोर करना। क्योंकि 1857 के बाद ब्रिटिश अधिकारी ब्रितानी हितों को लेकर सजग हो चुके थे।

प्रैक्टिस मैच में चोटिल हुए थे, सिराज की 556 दिन बाद वापसी, आज अमेरिका से पहला मुकाबला

हर्षित राणा टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

- भारत ने प्रैक्टिस मैच में साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराया।
- मोहम्मद सिराज 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने भारत के लिए 16 टी-20 में 14 विकेट चटकाए हैं।
- साउथ अफ्रीका के खिलाफ चोटिल होने के बाद हर्षित राणा मैदान से बाहर चले गए थे।

हर्षित राणा साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में चोटिल हो गए थे।

मुंबई, एजेंसी

तेज गेंदबाज हर्षित राणा टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। उन्हें 4 फरवरी को नवी मुंबई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मैच के दौरान घुटने में चोट लगी थी। चोट के बाद डॉक्टर से सलाह और स्कैन कराने पर BCCI की मेडिकल टीम ने उन्हें टूर्नामेंट के लिए अनफिट घोषित कर दिया। हर्षित की जगह पेसर मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। सिराज की 556 दिन बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 30 जुलाई 2024 को श्रीलंका के खिलाफ खेला था। भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है। डिफेंडिंग चैंपियन इंडिया अपना पहला मुकाबला शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में USA के खिलाफ खेलेगी। वॉर्म-अप मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराया था। इस मैच में ईशान किशन ने 20 गेंदों में 53 रन की पारी खेली थी। DY पाटिल स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 240 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 7 विकेट गंवाकर 210 रन ही बना सकी।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज।

सिर्फ एक ओवर फेंका था

24 साल के दिल्ली के हर्षित राणा ने वॉर्म-अप मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ एक ओवर डाला था, जिसमें 16 रन दिए। इसके बाद वे मैदान से बाहर चले गए। बल्लेबाजी में भी उन्हें सिर्फ एक गेंद खेलने का मौका मिला। हर्षित अब तक भारत के लिए 9 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इन मैचों में उन्होंने 57 रन बनाए और 9 विकेट लिए। इस बीच, स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की फिटनेस को लेकर भी संदेह बना हुआ है, भारत की मुश्किलें बढ़ी हैं।

'मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान मैच खेलने श्रीलंका आए'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाक मैच को लेकर सुनील शेट्टी ने किया रिएक्ट

मुंबई, एजेंसी

पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने के फैसले पर बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी का रिएक्शन सामने आया है। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान शुक्रवार को उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान का मैच होना चाहिए। दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि उनकी टीम ICC मेन्स T20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगी, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले का बायकॉट करेगी। इस मुद्दे पर इंडियन क्रिकेटर केएल राहुल के ससुर और एक्टर सुनील शेट्टी से जब सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, "मैं चाहूंगा कि पाकिस्तान श्रीलंका में आकर खेले। न खेलने से क्या होगा? भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत जबरदस्त राइवलरी है, जैसे एशेज में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच।" 1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के जरिए

भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि ICC ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। यह पूरा विवाद मुस्तफिजुर रहमान को IPL से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ। BCCI ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को भारतीय लीग से बाहर करने का फैसला किया था।

फास्ट न्यूज

नेटिजेंस के कमेंट को क्रिएटिव रिव्यू मानती हैं शनाया

मुंबई। अभिनेत्री शनाया कपूर ने पिछले साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है। अपने डेब्यू के बाद से ही शनाया लगातार ट्रोलर्स के भी निशाने पर बनी हुई हैं। उनकी एक्टिंग से लेकर उनके दुबले-पतले शरीर और जॉ लाइन तक को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। अब इन ट्रोलिंग पर शनाया ने प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बताया कि किस हद तक इस तरह की ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है।

बराक और मिशेल ओबामा से माफी नहीं मांगूंगा : ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा का वीडियो डिलीट कर दिया है। इस वीडियो में ओबामा और उनकी पत्नी को जंगल में प्राइमेट्स (बंदर) के रूप में दिखाया गया था। हालांकि, ट्रम्प ने शुक्रवार को सफाई देते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने शुरुआत देखी, वो ठीक थी।" इसके बाद उन्होंने इसे किसी स्टाफ को भेज दिया, जिन्हें पूरा वीडियो देखना चाहिए था।' ट्रम्प का दावा है कि स्टाफ ने वीडियो के अंतिम छोटे हिस्से को मिस कर दिया, जिसमें आपत्तिजनक सामग्री थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई, वीडियो हटा दिया गया। ट्रम्प ने स्पष्ट रूप से माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, मैंने कोई गलती नहीं की।' हालांकि, उन्होंने नस्लवादी हिस्से की निंदा की।

सिनेमा का स्वर्ण युग, पीवीआर की कमाई में रिकॉर्ड उछाल

मुंबई। भारतीय सिनेमा इंडस्ट्री के लिए कैलेंडर वर्ष 2025 ब्लॉकबस्टर साल साबित हुआ है। ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिकॉर्ड 13,395 करोड़ रुपए रहा। यह महामारी से पहले के तीन वर्षों के औसत से 32% अधिक है, जो सिनेमाघरों में दर्शकों की मजबूत वापसी को दिखाता है। तीसरी तिमाही में दर्शकों की संख्या 4.05 करोड़ रही, जो पिछले साल की इसी तिमाही 3.73 करोड़ से 8.6% अधिक है।

बीसीसीआई अंडर-19 वर्ल्डकप चैंपियन टीम को 7.5 करोड़ इनाम देगा

सूर्यवंशी ने भोजपुरी गाने पर डांस किया, अवॉर्ड सपोर्ट स्टाफ को डेडिकेट किया

नई दिल्ली, एजेंसी

BCCI अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 7.5 करोड़ की प्राइज मनी देगा। BCCI के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने शनिवार को इनामी राशि का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'जीत के बाद पूरा देश खुश है। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही, यह सराहनीय है। हमने वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा की है।' भारत ने एक दिन पहले शुक्रवार को फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर छठी बार खिताब जीता। 175 रन की पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने जीत के बाद भोजपुरी गाने पर जमकर डांस किया। राजस्थान रॉयल्स ने इसका वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट किया। फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं। टीम के सेलिब्रेशन के एक वीडियो क्लिप में वैभव कहते हैं कि पंजाबी गाना समझ

नहीं आ रहा गाइज, अब भोजपुरी लगेगा। इसके बाद वैभव ने पवन सिंह का गाना सॉरी-सॉरी प्ले किया। इसके बाद सभी खिलाड़ी इस भोजपुरी गाने पर डांस करने लगे। वीडियो के आखिरी में वैभव कहते हैं कि अब मेरी तरफ से आज के लिए इतना ही काफी है। IPL की राजस्थान रॉयल्स ने डांस की वीडियो क्लिप पर कमेंट भी किया और लिखा कि 'एक बिहारी सब पर भारी'।अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में वैभव सूर्यवंशी जीत के हीरो रहे। फाइनल में 175 रन की पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के लगाने के चलते वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। उन्होंने 7 मुकाबलों में 62.71 की औसत से 439 रन बनाए, जिनमें 41 चौके और 30 छक्के शामिल थे। प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद वैभव ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा। मैं ये अवॉर्ड पूरे सपोर्ट स्टाफ को डेडिकेट करना चाहता हूं। न्यूज एजेंसी से बातचीत में वैभव सूर्यवंशी के पिता संजीव सूर्यवंशी ने टीम इंडिया के विश्व कप जीतने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वैभव समेत सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। उनके मुताबिक, वैभव की यह पारी ऐतिहासिक रही है। उन्होंने कहा, आज हम वर्ल्ड कप जीते हैं, इसके लिए हमें बहुत गर्व है। पूरा देश खुश है। बिहार और देशवासियों का आशीर्वाद हमेशा उसके साथ रहा है।

मूवी की रिलीज से पहले ही यूट्यूब पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल गए

फिल्म पेड्डी के गाने 'चिकिरी चिकिरी' ने बनाया रिकॉर्ड

मुंबई। साउथ सुपरस्टार राम चरण की अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड बना चुका है। इस गाने ने यूट्यूब पर 200 मिलियन यानी 20 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल कर लिए हैं। अलग-अलग भाषाओं में गाने की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। फिल्म 'पेड्डी' 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। निर्माता लगातार टीजर, गानों और पोस्टरों के जरिए फिल्म का क्रेज बनाए हुए हैं। हाल ही में जारी किए गए नए पोस्टर के जरिए थिएटर रिलीज डेट की घोषणा की गई थी। गाना 'चिकिरी चिकिरी' 7 नवंबर 2025 को रिलीज हुआ था। रिलीज के पहले ही दिन इस गाने को यूट्यूब पर करीब 46 मिलियन (4.6 करोड़) व्यूज मिले थे। इसके साथ ही यह गाना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

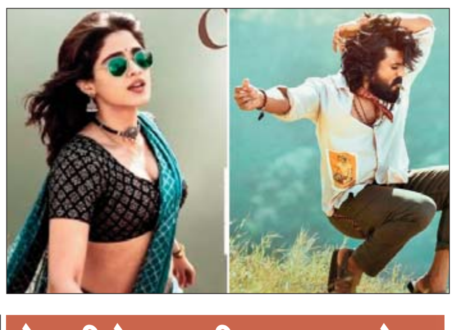

दो महीने बाद भी बरकरार क्रेज

रिलीज के दो महीने बाद भी गाने की लोकप्रियता कम नहीं हुई है। अब तक सभी भाषाओं में इसे 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 20 लाख से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं, हिंदी वर्जन को यूट्यूब पर 50 मिलियन (5 करोड़) से ज्यादा बार देखा जा चुका है। 'चिकिरी चिकिरी' का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, इसके बोल बालाजी ने लिखे हैं और इसे मोहित चौहान ने अपनी आवाज दी है।

> "फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। इसमें राम चरण के साथ जान्हवी कपूर, जगपति बाबू, शिव राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के गानों और प्रचार सामग्री को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए माना जा रहा है कि 'पेड्डी' बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर सकती है।

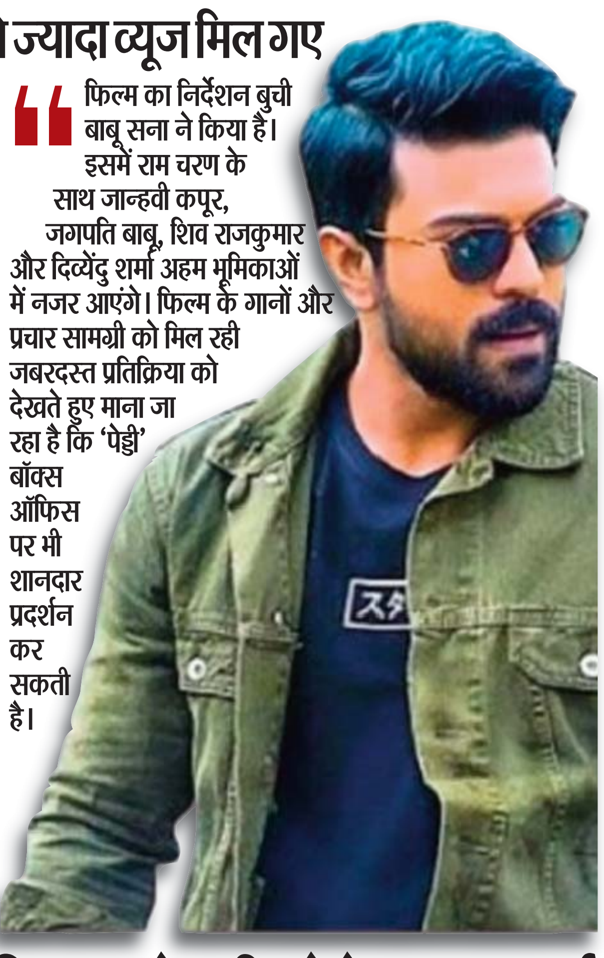

दुबई फैशन वीक में कृति सेनन का जलवा

डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लिए बनीं शो स्टॉपर, यहां देखें शानदार तस्वीरें

नई दिल्ली, एजेंसी

कृति सेनन अपने अभिनय की वजह से तो चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उनके फैशन स्टाइल के भी फैंस कायल हो गए। वह दुबई फैशन वीक में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लेटेस्ट कलेक्शन 'इनाया-द इंडिया स्टोरी' की शो स्टॉपर बनीं। जानें रैंप पर कैसा रहा कृति का लुक? सोशल मीडिया पर भी यूजर्स ने उनके लुक को सराहा है। कृति सेनन ने आइवरी कलर की ड्रेस पहनी थी। यह ड्रेस इंडो-वेस्टर्न लुक से इंस्पायर नजर आई। उनके आउटफिट में सुंदर कढ़ाई की गई थी। जो ड्रेस कृति ने पहनी वह एक हाई वेस्टेड फ्लोर लेंथ स्कर्ट है। इसमें शिमरिंग बीडवर्क किया गया था। उनके लुक को

शीयर, फ्लोर स्वीपिंग ट्यूल केप ने और भी एलीगेंट बना दिया था। इस ड्रेस में कृति सेनन रॉयल नजर आ रही थीं। काफी समय से उनका नाम बिजनेसमैन कबीर बहिया से जोड़ा जा रहा है।

दुबई फैशन फेस्टिवल में मिला मनीष मल्होत्रा को अवॉर्ड

पिछले दिनों फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को दुबई फैशन फेस्टिवल में डिजाइनर ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी दिया गया। इस मौके पर शाहरुख खान भी मौजूद थे। मनीष मल्होत्रा ने शाहरुख खान के साथ अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए लिखा था, 'यह हमारी 2 साल की जर्नी है। यह अवॉर्ड मेरे लिए बहुत ही खास है।'

इस साल किन फिल्मों में नजर आएंगी कृति सेनन?

कृति सेनन के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह धनुष के साथ फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आईं। इन दिनों वह एक फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर भी अहम किरदार निभा रहे हैं। करियर के अलावा वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं।

अमेरिका ने पीओके-अक्साई चिन को भारत का हिस्सा बताया

ट्रेड डील के बाद इंडियन मैप शेयर किया, सोशल मीडिया पर वायरल

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क घोषित किया। इस घोषणा के साथ अमेरिकी ट्रेड ऑफिस (USTR) ने इंडियन मैप शेयर किया। इस मैप में पूरा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) हैं, उन्हें भारत का हिस्सा दिखाया गया है। यह नक्शा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अमेरिका पहले के नक्शों में PoK को अलग से दिखाता था। अंतरराष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में भी विवादित हिस्सों को अलग रंग या 'डॉटेड लाइन्स' से दिखाया जाता है। इस बार ट्रम्प प्रशासन ने जानबू-झकर या अनजाने में एक ऐसा नक्शा शेयर किया जो भारत की सीमाओं को पूरी तरह मान्यता देता है। भारत हमेशा से जम्मू-कश्मीर को अपना अभिन्न अंग मानता आया है। भारत और पाकिस्तान के बीच PoK विवाद जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है।

- **भारत का दावा-** भारत कहता है कि पूरा जम्मू-कश्मीर (PoK सहित) उसका अभिन्न अंग है, क्योंकि महाराजा ने भारत में विलय किया था। 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। भारत PoK को अवैध कब्जा मानता है और इसे वापस लेने की बात करता है।
- **पाकिस्तान का दावा-** पाकिस्तान कहता है कि कश्मीर मुस्लिम बहुल क्षेत्र है, इसलिए वह पाकिस्तान का हिस्सा होना चाहिए। पाकिस्तान PoK को आजाद कश्मीर कहता है और वहां अपनी तरह की सरकार चलाता है। पाकिस्तान UN के पुराने प्रस्तावों का हवाला देता है, जिसमें कश्मीरियों को जनमत संग्रह का अधिकार देने की बात थी।

घोषणा : घटती कमाई और शोषण के खिलाफ प्रदर्शन, ओला, उबर और रैपिडो सर्विस पर असर

देशभर में एप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स की हड़ताल

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर में शनिवार को एप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (गिग वर्कर्स) की हड़ताल है। तेलंगाना गिग एंडप्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (TGPWU) और इंडियन फेडरेशन ऑफ एप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) से जुड़े ड्राइवरों और वर्कर्स ने इस हड़ताल की घोषणा की है। यह हड़ताल ड्राइवरों की घटती कमाई, बढ़ते शोषण और सरकार की ओर से न्यूनतम बेस फेयर तय न किए जाने के विरोध में की जा रही है। इसमें ओला, उबर, रैपिडो, पोर्टर समेत अन्य एप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट सेवाओं से जुड़े ड्राइवर शामिल होंगे। यूनियनों के मुताबिक, इस दौरान कैब और बाइक टैक्सी सेवाएं पर असर रहेगा। ड्राइवरों का आरोप है कि बाइक टैक्सी सेवाएं अवैध हैं। ओला, उबर, रैपिडो जैसी कंपनियां किराया मनमाने तरीके से तय कर रही हैं, जिससे

ड्राइवरों को नुकसान हो रहा है।ड्राइवर चाहते हैं कि बाइक टैक्सी पर रोक लगे और किराया तय करने में कंपनियों की मनमानी खत्म हो। TGPWU के संस्थापक अध्यक्ष, IFAT के को-फाउंडर और नेशनल जनरल सेक्रेटरी शेख सल्लाउद्दीन ने कहा कि गाइडलाइंस-2025 में किराया तय करने से पहले मान्यता प्राप्त यूनियनों से परामर्श अनिवार्य है, लेकिन सरकारों की निष्क्रियता के चलते प्लेटफॉर्म कंपनियां शोषण बढ़ा रही हैं। हड़ताल पर बैठे ड्राइवरों का कहना है कि ओला, उबर, रैपिडो जैसी कंपनियां बिना किसी पारदर्शिता के किराया तय करती हैं। कभी बहुत

बेस फेयर तय न होने पर नाराजगी

यूनियनों के मुताबिक, मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस-2025 मौजूद होने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारों ने अब तक न्यूनतम बेस फेयर को नोटिफाई नहीं किया है। इसका फायदा उठाकर एग्रीगेटर कंपनियां मनमाने तरीके से किराया तय कर रही हैं। यूनियनों का आरोप है कि कंपनियां किराया कम करती जा रही हैं, जबकि सारा ऑपरेशनल जोखिम ड्राइवरों पर डाल दिया गया है। इससे काम के घंटे बढ़ रहे हैं, लेकिन उनकी कमाई लगातार घट रही है।

कम किराया रखा जाता है, तो कभी अचानक उसमें बदलाव कर दिया जाता है। इसका सीधा नुकसान ड्राइवरों को उठाना पड़ता है, जबकि कंपनियां मोटा मुनाफा कमाती हैं। TGPWU के संस्थापक अध्यक्ष, IFAT के को-फाउंडर और नेशनल जनरल सेक्रेटरी शेख सल्लाउद्दीन ने कहा कि गाइडलाइंस-2025 के तहत किराया तय करने से पहले मान्यता प्राप्त यूनियनों से परामर्श करना अनिवार्य है। इसके बावजूद सरकारें इस मामले में निष्क्रिय बनी हुई हैं। ड्राइवरों का आरोप है कि बाइक टैक्सी सेवाएं कई राज्यों में नियमों के खिलाफ संचालित की जा रही हैं। इसके बावजूद कंपनियां इन्हें बढ़ावा दे रही हैं, जिससे पारंपरिक कैब और ऑटो चालकों की कमाई पर असर पड़ रहा है। ड्राइवरों की मांग है कि अवैध बाइक टैक्सी सेवाओं पर तुरंत रोक लगाई जाए।

भारत पर अमेरिकी एक्स्ट्रा टैरिफ आज से खत्म

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को अंतरिम व्यापार समझौते (ITA) का फ्रेमवर्क जारी किया है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50% घटाकर 18% कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है। दोनों देशों ने कहा कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका BTA वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे। इसके तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं पर सभी टैरिफ खत्म या कम करेगा। कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपये) के बाजार को खोलेगा। उनके मुताबिक, MSME, किसान और मछुआरे सबसे बड़े लाभार्थी होंगे और इससे महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

चांदी इस हफ्ते ₹94 हजार गिरकर ₹2.45 लाख पर आई

सोना ₹14 हजार लुढ़ककर ₹1.52 लाख हुआ, देखें अपने शहर में सोने के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। सोना 13,717 रुपए गिरकर 1,52,078 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 30 जनवरी को 1,65,795 रुपए पर था। वहीं चांदी 3,39,350 रुपए प्रति किलो से गिरकर 2,44,929 रुपए पर आ गई है। यानी चांदी की कीमत 94,421 रुपए कम हुई है। प्रॉफिट बुकिंगः सोने-चांदी की कीमत हाल के दिनों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुक किया। फिजिकल डिमांड में कमीः ऑल टाइम हाई के बाद फिजिकल डिमांड कमजोर हुई, साथ ही औद्योगिक उपयोग को लेकर चिंताएं भी बढ़ीं। जानकारों का मानना है कि फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रह सकता है। अंतरराष्ट्रीय

संकेतों, डॉलर की स्थिति और निवेशकों की रणनीति के आधार पर आने वाले दिनों में सोने-चांदी की कीमतों में और बदलाव देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रह सकता है। अंतर-राष्ट्रीय संकेतों, डॉलर की स्थिति और निवेशकों की रणनीति के आधार पर आने वाले दिनों में सोने-चांदी की कीमतों में और बदलाव देखने को मिल सकता है। ऑल टाइम हाई पर पहुंचने के बाद सोने-चांदी की फिजिकल डिमांड में भी गिरावट दर्ज की गई है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदेंः** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करेंः** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

समझाने आए लीग कमिश्नर को हटाया, पूछा- केवल सोर्स वालों को मौका क्यों दिया

एलपीएल ऑक्शन के खिलाफ क्रिकेट खिलाड़ियों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 7 मार्च से होने वाले लखनऊ प्रीमियर लीग (LPL) के ऑक्शन के बाद लोकल खिलाड़ी विरोध में उतर आए हैं। क्रिकेट प्लेयर एसोसिएशन से जुड़े खिलाड़ियों ने LPL और लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ शनिवार को प्रदर्शन किया। वे क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ (CAL) के कार्यालय पर पहुंच गए। प्लेयर्स के CAL पहुंचने पर बीबीडी बैडमिंटन एकेडमी का गेट बंद कर दिया गया। खिलाड़ियों ने लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के हेड नवनीत सहगल और खलीक अहमद के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। उनका कहना है कि LPL में दूसरे जिलों के खिलाड़ियों

को मौका दिया गया। LPL लखनऊ के खिलाड़ियों को मौका नहीं मिला जो कि योग्य और मेहनती हैं। खिलाड़ियों को मनाने के लिए लीग के कमिश्नर एसपी मिश्र पहुंचे। उन्होंने बात करने की कोशिश की। इसी दौरान खिलाड़ियों से उनकी कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद कमिश्नर को वहां से जाना पड़ा। इस दौरान उनके पीछे खिलाड़ियों ने मुर्दाबाद के नारे लगाकर सड़क तक भेज दिया। खिलाड़ियों के साथ उनके घरवाले भी प्रदर्शन में पहुंचे।

कमिश्नर बोले- एसोसिएशन की बैठक में मांगें रखी जाएंगी

लखनऊ प्रीमियर लीग के कमिश्नर पूर्व IAS एसपी मिश्र ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे लोगों ने LPL सेक्रेटरी के नाम पर ज्ञापन सौंपा है। इसमें की गई मांगों को लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन की बैठक में रखा जाएगा। जो मांगें सही हैं उनपर विचार कर उन्हें लागू करने की कोशिश होगी।

बीबीडी बैडमिंटन एकेडमी पर प्रदर्शन करने पहुंचने पर एकेडमी का गेट बंद कर दिया गया।

टीम को स्क्वाड में 15 खिलाड़ी रखना होगा

इसके साथ ही दो ग्रुप और हैं। एक टीम को स्क्वाड में 15 खिलाड़ी रखना होगा। ऑक्शन में खिलाड़ियों की न्यूनतम 5 हजार रुपए से लेकर 1.25 लाख तक की अधिकतम बोली लगेगी। बोली बराबर होने पर व्हील चलाकर टीम का चयन किया जाएगा।

6 मार्की प्लेयर लीग में खेलेंगे

लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुजय त्रिपाठी ने बताया- IPL और यूपी टी-20 में यूपी से खेलने वाले 6 खिलाड़ी बतौर मार्की प्लेयर लीग में हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जीशान अंसारी, नमन तिवारी, अंश यादव, विप्रज निगम, उपेंद्र यादव, कृतज्ञ कुमार सिंह शामिल हैं। इनकी कीमत डेढ़ लाख रुपए है। ये बतौर स्टार प्लेयर टीमों में शामिल होंगे।

कैंसर दिवस पर सपा मुख्यालय में डॉक्टरों से संवाद

अखिलेश यादव ने इलाज व्यवस्था पर जताई चिंता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में कैंसर दिवस के अवसर पर सम्मानित डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी और उसके इलाज को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान डॉक्टरों ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में कैंसर समेत गंभीर बीमारियों के इलाज और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता का जो उदाहरण प्रस्तुत किया गया था, वह आज भी याद किया जाता है। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी सरकार की सोच अंतरराष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की थी, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार ने इस दिशा में उपेक्षा दिखाई है। उन्होंने

कहा कि समाजवादी सरकार में कैंसर, किडनी, लीवर और हार्ट जैसी गंभीर बीमारियों का उच्चस्तरीय इलाज निःशुल्क उपलब्ध कराया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2016 में लखनऊ में 100 एकड़ भूमि पर लगभग एक हजार करोड़ रुपये की लागत से कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई थी, ताकि प्रदेश के मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। बैठक में बबलू बिन्द ने बताया कि उनकी मां के कैंसर इलाज के लिए मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने 4.56 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि उनका परिवार आज भी इसके लिए आभारी है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का मूल मंत्र लोगों की सेवा करना है।

फास्ट न्यूज

पेड़ काटते समय युवक की मौत

मोहनलालगंज। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के मोहम्मदाबाद गांव में पेड़ काटते समय नीचे गिरने से एक युवक की मौत हो गई। परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोसाईगंज में इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामे की कोशिश की। इस पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाकर मना लिया और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मलिहाबाद तहसील दिवस में भड़के वकील

मलिहाबाद। मलिहाबाद में शनिवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। अधिकांश शिकायतें राजस्व, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग से संबंधित थीं। इसी तहसील दिवस में मलिहाबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने एसीपी कोर्ट के संचालन और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 76 के तहत लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे की मांग की। बार एसोसिएशन के अनुसार, पिछले लगभग पांच सालों से एसीपी कोर्ट का संचालन नहीं हो रहा है। इससे दूर-दराज के ग्रामीण निवासियों और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनमें काफी रोष है। इस दौरान, समाज से यूसुफ नामक व्यक्ति ने पीडब्ल्यूडी विभाग से संबंधित एक प्रार्थना पत्र भी दिया, जिसमें उन्होंने सड़क निर्माण कराए जाने की बात कही।

'घूसखोर पंडत' फिल्म के खिलाफ सड़कों पर उतरे ब्राह्मण

कानपुर। कानपुर में घूसखोर पंडत फिल्म के खिलाफ ब्राह्मण समाज के लोग सड़कों पर उतर गए। हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर मार्च निकाला। शनिवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में समकक्ष अधिकारी को सौंपा। अखिल भारतीय सर्वब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने कहा- इस फिल्म के टीचर से ब्राह्मण समाज की छवि को ठेस पहुंची है।

किराये पर थार लेकर लूटपाट करने वाले 7 बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ में 6 दिन में 3 लोगों को लूटा था, महंगे शौक पूरा करने के लिए बने लुटेरे

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब। लखनऊ पुलिस ने थार में लिफ्ट देने के बहाने लूटपाट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बीकेटी पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने 7 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने अलग-अलग स्थानों पर 3 लोगों से लूटपाट की थी। गिरफ्तार किए गए 2 बदमाश के खिलाफ पहले से ही लूट सहित अन्य आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी सैरपुर को आज, 6 फरवरी को सूचना मिली कि एक बिना नंबर की थार गाड़ी इंदौरा बाग अंडरपास से रैथा रोड होते हुए लोधमऊ किसान पथ की ओर जा रही है। सूचना पर उन्होंने घेराबंदी करके लोध मऊ अंडरपास की सर्विस रोड पर थार रोकवाई। उसमें 4 युवक सवार थे। पुलिस टीम ने जांच की तो उनके पास से 2 तमंचा, कारतूस, 3 मोबाइल और 40,130 रुपये नकद बरामद किए। उनकी पहचान ऋषभ गोस्वामी (23), अक्षय कुमार (25), आलोक (19) और शुभम

पुलिस ने 7 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पांडेय (20) के रूप में हुई। पूछताछ में चारों ने बताया कि वे किराए पर थार लेकर लिफ्ट देने के बहाने लोगों से लूटपाट करते थे। उन लोगों ने अपने 2 अन्य साथियों ज्ञानी (20) और राम सफल (30) के साथ मिलकर 3 लोगों को अलग-अलग स्थानों पर लूटा है। पुलिस ने ज्ञानी और रामसफल को भी गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों ने बताया कि आज, 6 फरवरी की सुबह चिनहट इलाके लिफ्ट देने के बहाने गाड़ी में बैठाकर बहराइच में जा रहे अध्यापक बलराम पटेल से मोबाइल फोन और 500 रुपए लूटा था।

लखनऊ में सुभासपा विधायक की शिकायत करेंगे लेखपाल, पार्षद

बेदीराम बोले- मुझ पर आरोप निराधार, नाला जहां होगा, वहीं से जाएगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सुभासपा विधायक बेदीराम का एक वीडियो सामने आया। इसमें नाले की जमीन से कब्जा हटाने पहुंचे नगर निगम के लेखपाल को डांटने और अभद्रता का आरोप है। इसी को लेकर आज यानी 7 फरवरी को लेखपाल कौशल, मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग करेंगे। साथ ही पुलिस से शिकायत कर मुकदमा दर्ज कराने की योजना है। स्थानीय पार्षद ममता रावत का भी कहना है कि अभद्र भाषा का मेरे लिए प्रयोग किया गया। उन्होंने मेयर से मुलाकात की और कार्रवाई के लिए ज्ञापन सौंपा। इसके बाद सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मुलाकात की है। उन्होंने कहा- राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्रवाई करवाने का आश्वासन

कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से गाजीपुर की जखनियां सीट के विधायक हैं बेदीराम।

दिया। वहीं, विधायक बेदीराम ने गाली देने के आरोप को गलत बताते हुए कहा कि सामने आए संबंधित वीडियो में मेरी आवाज नहीं है। नगर निगम नाले के लिए जो नियम के अनुरूप है वहीं जमीन लेगा, न कि किसी की निजी संपत्ति। आरोप है इस वीडियो में विधायक फोन पर लेखपाल को डांट-फटकार रहे हैं। कह रहे हैं कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई। वहां जाने की। नौकरी करना मुश्किल कर दूंगा। इस पर जब लेखपाल स्थानीय महिला पार्षद के कहने पर कार्रवाई की बात कहता है तो विधायक महिला पार्षद को भी गालियां देते हैं। लेखपाल कौशल ने कहा- पुलिस से शिकायत कर मुकदमा दर्ज कराएंगे। वहीं, विधायक ने सभी आरोपों को नकारा है। उनका कहना है कि हमने अपने बच्चों से बात की थी। नगर आयुक्त ने कार्रवाई रुकवाई थी, हमने नहीं। दरअसल, गोमती नगर के भरवारा के गंगोत्री विहार फेज-टू में नाले पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है।

बेकाबू कार पलटी, मामा-भांजे समेत 3 की मौत

एटा में 100 की स्पीड से पेड़ से टकराकर 15 फीट दूर गिरी

तमसा संकेत, एजेंसी

एटा। एटा में 100 की स्पीड में कार पेड़ से टकराकर पलट गई। तीन बार पलटी खाई, फिर सड़क से 15 फुट दूर गड्ढे में जा गिरी। हादसे में मामा-भांजे और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर दौड़े पहुंचे। उन्होंने आनन-फानन में कार का दरवाजा तोड़कर सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। घटना से जुड़े वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें एक किशोर जमीन पर तड़पता हुआ दिखाई दे रहा है। कार सवार सभी लोग गुरुग्राम से मैनपुरी एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। हरियाणा नंबर की यह कार प्राइवेट कैब बताई जा रही है। पुलिस ने मृतकों के परिजन को सूचना दे दी है। मृतकों की पहचान मैनपुरी निवासी शिवम यादव (21), उनके मामा सुमित

यादव (23) और गांव की रहने वाली मनकी (19) के रूप में हुई है। वहीं, मैनपुरी के ही रहने वाले राहुल (28) और खुशबू (22) घायल हैं। हादसा सुबह करीब साढ़े 8 बजे जिला मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर मलावन थाना क्षेत्र में हुआ। प्रत्यक्षदर्शी शिव कुमार ने बताया, "मैं अपने गांव सकीट जा रहा था, तभी अचानक कार बेकाबू होकर पलट गई। इसके बाद मैंने चिल्लाकर स्थानीय लोगों को बुलाया। फिर कार में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की, लेकिन कार अंदर से लॉक थी।

अलीगढ़ पुलिस के ऑपरेशन से 1200 करोड़ का फ्रॉड टला

7 राज्यों से 12 साइबर ठग अरेस्ट, रिटायर बैंक अफसर से एक करोड़ वसूले

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में रिटायर्ड बैंक अफसर से 1.10 करोड़ रुपए की ठगी की गई। इसमें शामिल 12 साइबर ठगों को 7 राज्यों से अरेस्ट किया गया है। ये शेयर मार्केट में निवेश करने पर 200 प्रतिशत लाभ होने का झांसा देते थे। इसके बाद वाट्सएप ग्रुप पर जोड़कर सारी जानकारी हासिल करते थे। पुलिस ने समय रहते शातिर ठगों को गिरफ्तार कर 1200 करोड़ की ठगी को रोक लिया। इसके बाद 600 फर्जी वाट्सएप ग्रुपों को बंद कराया। इनमें 150 लोग मुनाफे के लालच की वजह से जुड़े हुए थे। इन आरोपियों पर कई राज्यों में 13 से अधिक साइबर ठगी की शिकायतें पहले से दर्ज हैं। दिनेश कुमार शर्मा स्वर्ण जयंती नगर में रहते हैं। वह पंजाब नेशनल बैंक से डिप्टी जनरल मैनेजर (DGM) पद से रिटायर्ड हैं। उन्होंने बताया- साइबर

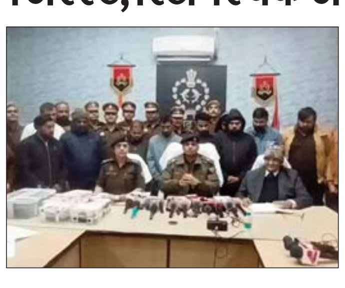

ठग 2 नवंबर से मुझे झांसे में लिए हुए थे। ठगों ने शुरुआत में वाट्सएप पर एक लिंक भेजा। इसके जरिए शेयर मार्केट में पैसे लगाने को कहा। 35 से 40 प्रतिशत का मुनाफा देने की बात भी कही। पहले तो यह बात मेरे समझ में नहीं आई। इसके बाद 16 दिसंबर 2025 को थोड़ा सा इंवेस्ट करने की बात कहने पर मैंने पांच हजार रुपए लगा दिए। फिर हमें 'VIP प्रॉफिट क्लब' जैसे आकर्षक नाम वाले दो व्हाट्सएप ग्रुप्स में जोड़ा गया। ये ठग ग्रुप में खुद को एक्सपर्ट बताते थे। रोजाना शेयर मार्केट में भारी मुनाफे के स्क्रीनशॉट और वीडियो शेयर करते थे। इसे देखकर मैं भी लालच में आ गया। अब कोई चीज रोज-रोज देखो, तो उसका कुछ फर्क तो पड़ता ही है। मैं वहीं मात खा गया। इसी का फायदा उठाकर 200 प्रतिशत तक रिटर्न का लालच देकर अलग-अलग किश्तों में उनसे कुल 1,10,70,000 रुपए निवेश करा लिए। इस दौरान मुनाफे की कोई भी रकम उनके पास नहीं आई। जब मैंने उनसे पूछा, तो नया टास्क बताकर मुनाफे की राशि दिखा देते थे। बाद में ठगों ने मुझसे तीन करोड़ रुपए निवेश करने का टास्क दिया। तब मेरा दिमाग खराब हुआ। इसके बाद अपने घरवालों को पूरी घटना बताई। इसके बाद 31 जनवरी, 2026 को रात में ही साइबर थाने में मैंने शिकायत दर्ज कराई।

हादसा : बस से उतरकर सड़क किनारे खड़े थे, चेहरे कुचले, स्वेटर से पहचान

एक्सप्रेस-वे पर 6 की मौत, कंटेनर ने रौंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्लीपर बस से उतरकर खड़े यात्रियों को तेज रफ्तार कंटेनर ने रौंद दिया। हादसे में 6 की मौके पर मौत हो गई। एक गंभीर घायल है। घटना शनिवार तड़के 2.45 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, बस दिल्ली के नागलोई से कानपुर देहात के रसूलाबाद जा रही थी। रास्ते में कुछ यात्रियों ने ड्राइवर को बाथरूम के लिए बस रोकने को कहा। ड्राइवर ने ग्रीन जोन की बजाय रास्ते में बस रोक दी। कुछ यात्री बस से उतरकर नीचे खड़े हो गए, तभी पीछे से आ रहे कंटेनर ने पहले बस को टक्कर मारी। फिर यात्रियों को रौंद दिया। कंटेनर का चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई हाईवे पर लाशें बिछ गईं। कुछ यात्रियों के चहेरे बुरी तरह कुचल गए। इससे उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। परिजनों ने स्वेटर-कपड़ों से उनकी

पहचान की। मौके पर लंबा जाम लग गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। इस बीच CM योगी ने हादसे का संज्ञान लिया। पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया। हिम्मत रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। हादसा सुरीर थाना क्षेत्र में माइल स्टोन-88 के पास हुआ। मृतक संतोष के बेटे अभिनय ने बताया कि रात 10 बजे पापा से बातचीत हुई थी।

मृतक अनुराग का चेहरा बुरी तरह से कुचला, भाई बोला- स्वेटर से पहचान की

मृतक अनुराग के भाई अनिल गुप्ता ने बताया- मेरे नंबर पर सुबह करीब 7 बजे पुलिस की कॉल आई थी। फोन करने वाले शख्स ने बताया- यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसा हो गया है। जिसमें अनुराग की मौत हो चुकी है। उसकी लाश पोस्टमार्टम हाउस पर है। सूचना मिलते ही परिजन को लेकर मैं पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा। वहां पर देखा तो भाई का चेहरा बुरी तरह से कुचला हुआ था। स्वेटर से उसकी पहचान की। वह दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता था। आज घर आ रहा था।

बस सड़क किनारे खड़ी थी, तभी तेज रफ्तार कंटेनर ने बस को पीछे से टक्कर मार दी।

मृतक प्रमोद के छोटे भाई अंशु कुमार ने बताया- वह अपने भाई के साथ दिल्ली के नागलोई में प्लंबर का काम करते थे। आज प्रमोद की बेटी का जन्मदिन था। इसी के चलते प्रमोद अपने घर बड़ा गांव फिरोजाबाद आ रहे थे। तभी रास्ते में यह घटना हो गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

हम दुनिया की ...

कुमरन ने कहा कि इस यात्रा में 10 साल से मलेशिया में रह रहे भगोड़े जाकिर नाइक के मुद्दों पर भी चर्चा होगी। भारत इससे पहले भी अलग-अलग मौकों पर ये मामला उठा चुका है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बातचीत में व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और लोगों के आपसी संपर्क जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान 8 फरवरी को भारत-मलेशिया सीईओ फोरम की 10वीं बैठक भी कुआलालंपुर में होगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री मलेशिया के बड़े उद्योगपतियों और कारोबारी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि दूतावास और व्यापार समझौते बनने से बहुत पहले ही भारत और मलेशिया के बीच समुद्र के रास्ते संपर्क था। उस समय व्यापारी, विद्वान और नाविक भारत और मलय क्षेत्र के बीच आते-जाते थे। उन्होंने भारत में मनाए जाने वाले पुराने समुद्री उत्सव बालीयात्रा का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि जब मलेशिया ने अपनी अलग-अलग संस्कृतियों के साथ एक मजबूत देश बनाना शुरू किया, तब भारतीय समुदाय इसमें एक अहम भागीदार था। उन्होंने कहा कि मलेशिया का भारतीय समुदाय उनके लिए भाई-बहन जैसा है और देश के विकास की यात्रा का हिस्सा रहा है। इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी मलेशिया में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे और उन्हें संबोधित करेंगे। मलेशिया में लगभग 29 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा भारतीय प्रवासी समुदाय है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और मलेशिया के रिश्ते बहुत पुराने हैं और इतिहास, संस्कृति और सभ्यता से जुड़े हुए हैं। मलेशिया में रहने वाले भारतीयों का इतिहास भी काफी पुराना है और उन्होंने भारत के आजादी के आंदोलन में भी भूमिका निभाई थी। विदेश मंत्रालय ने ये भी कहा कि भारत और मलेशिया आपसी व्यापार को बैलेंस करने और लंबे समय तक आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। इसके लिए भारत-मलेशिया 'कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक कॉर्पोरेशन एग्रीमेंट' की समीक्षा की जा रही है।

भारत और ...

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क टेक्सटाइल, फार्मा, रत्न और फुटवियर जैसे सेक्टर में भारतीय निर्यात के लिए बड़े अवसर खोलता है। शनिवार को भारत और अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर अंतरिम व्यापार समझौते के लिए फ्रेमवर्क की घोषणा की। इसके पीछे मंशा आपसी टैरिफ में कमी करना है ताकि द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाया जा सके। यह व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का रास्ता साफ करेगी। भारत को इस डील से सीधा फायदा होगा। अमिताभ कांत के मुताबिक, अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क भारत को वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों के मुकाबले कॉम्पिटिटिव बढ़त देता है। यही नहीं, कृषि और डेयरी सेक्टर की सुरक्षा भी करता है। कांत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत और अमेरिका के अंतरिम व्यापार समझौते से भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ 50% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इससे हमारे निर्यातकों के लिए टेक्सटाइल, फार्मा, रत्न, फुटवियर और अन्य क्षेत्रों में बड़े अवसर खुलेंगे। भारत को वियतनाम और बांग्लादेश जैसे प्रतिद्वंद्वियों पर कॉम्पिटिटिव बढ़त मिलेगी। साथ ही हमारे कृषि और डेयरी सेक्टर की सुरक्षा होगी। लाखों नई नौकरियां (खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए) पैदा होंगी। डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और मेक-इन-इंडिया पहलों को बढ़ावा मिलेगा।' कांत ने इस अंतरिम समझौते को एक 'रणनीतिक जीत' करार दिया है। यह चीन के खिलाफ सप्लाई चेन को मजबूत करता है। साथ ही रुपये की स्थिरता को भी सपोर्ट करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह समझौता चीन के दबदबे को चुनौती देगा। कांत ने लिखा, 'यह एक रणनीतिक जीत है जो चीन के खिलाफ सप्लाई चेन को मजबूत करती है। रुपये की स्टेबिलिटी को सपोर्ट करती है।

हिमंता तुम 2...

हैदराबाद सांसद ने पाकिस्तान के टीम इंडिया से मैच के बायकॉट, एमएम नरवण की अनपब्लिश किताब, पीएम के राज्यसभा में दिए भाषण पर भी बात रखी। पाकिस्तान के टीम इंडिया से मैच के बायकॉट ओवैसी ने कहा कि भारत T20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। वह बेकार पाकिस्तानी टीम कहती है कि वे भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। इसपर ये सरकार चुप बैठी है। उन्होंने कहा कि ये (सराकर) क्यों नहीं कहती कि नहीं खेलना है तो यहां क्यों आते हो। ये चुपचाप बैठे सुन रहे हैं। इसपर नहीं बोलेंगे, चीन के मामले पर भी खामोश हो जाते हैं।

सीएम योगी का ...

सीएम योगी ने परिसर में स्थापित महंत अवैद्यनाथ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद योगी आदित्यनाथ ने परिसर में 128 बटालियन कश्याली के कर्नल एस सिद्दीकी और प्राचार्य के साथ महाविद्यालय परिसर में आम के पौधे का रोपण किया। साथ ही स्टाफ को परिसर में पौधे लगाने के निर्देश दिए। योगी ने यहां इसी सत्र से बीएससी शुरू होने पर नव निर्मित विज्ञान लैब एवं कंप्यूटर लैब का निरीक्षण किया।

रिंग रोड में 100 की स्पीड से दौड़ेंगी गाड़ियां

6 लेन के पहले फेस का 50 प्रतिशत काम पूरा, 2028 का टारगेट

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के आउटर में 5800 करोड़ की कीमत से बन रही रिंग रोड की सौगात 2028 तक लोगों को मिल जाएगी। इसको पांच हिस्सों में बांटकर बनाया जा रहा है। जिसमें पहले हिस्से का काम 50 प्रतिशत तक लगभग पूरा हो गया है। अन्य सभी हिस्सों का काम 2027 तक पूरा हो जाएगा। जिसके बाद 2028 में इस पर वाहन फर्राटा भरेंगे। 94.659 किलोमीटर लंबे आउटर रिंग रोड को पहले चार लेन का बनाया जा रहा था। जिसको अब 6 लेन का किया जा रहा है। एनएचएआई के सह क्षेत्रीय अधिकारी यूपी पश्चिमी गौतम विशाल ने बताया कि सितंबर 2026 तक सचेंडी से मंधना तक 23.325 किलोमीटर के पहले हिस्से का काम पूरा हो जाएगा। हालांकि पहले हिस्से के पूरा होने के बाद संचालन सभी हिस्से

कंप्लीट होने के बाद होगा या फिर पहले ही शुरु हो जाएगा। इस पर फैसला मुख्यालय लेगा। उन्होंने बताया कि रिंग रोड के बनने के बाद वह वाहन जिनको कानपुर नहीं आना है। किसी अन्य जिले जाने है। वह रिंग रोड के रास्ते से कानपुर शहर में अंदर आए बिना दूसरे हाइवे पर निकल जाएंगे। ऐसा होने से यात्रा समय में लगभग 60 प्रतिशत की कमी आएगी तथा औसत गति में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होगी। साथ ही शहर में ट्रैफिक का लोड भी कम होगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676